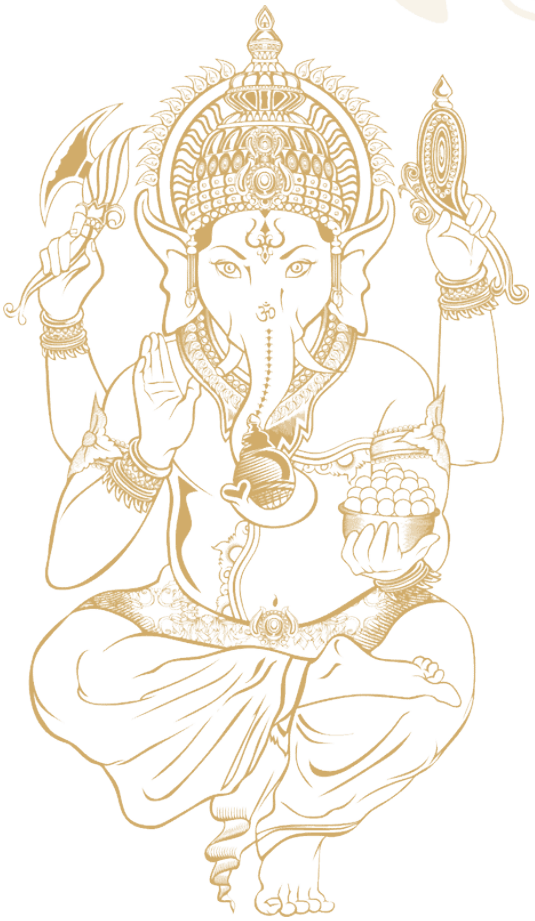

Amit Mahadev Basal

30 Jun 1981

07:30 PM

Hissar

Model: Web-VarshKundli

Order No: 121574001

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
30/06/1981	जन्म तिथि	**01/07/2026**
मंगलवार	दिन	बुधवार
घंटे 19:30:00	जन्म समय	08:09:32 घंटे
घटी 34:57:16	जन्म समय(घटी)	06:35:03 घटी
India	देश	India
Hissar	स्थान	Hissar
उत्तर 29:10:00	अक्षांश	29:10:00 उत्तर
पूर्व 75:45:00	रेखांश	75:45:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:27:00	स्थानिक संस्कार	-00:27:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:31:05	सूर्योदय	05:31:30
19:29:58	सूर्यास्त	19:29:58
23:35:41	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:46

धनु	लग्न	कर्क
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
वृष	राशि	धनु
शुक्र	राशि-स्वामी	गुरु
मृगशिरा	नक्षत्र	उत्तराषाढ़ा
मंगल	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
2	चरण	1
वृद्धि	योग	ऐन्द्र
शकुनि	करण	तैतिल
वो-वोमेश	जन्म नामाक्षर	भे-भैरवी
कर्क	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क
वैश्य	वर्ण	क्षत्रिय
चतुष्पाद	वश्य	मानव
सर्प	योनि	नकुल
देव	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
मृग	वर्ग	मूषक
45	गत/तत्कालिक वर्ष	46

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
पूर्वाषाढ़ा	1	16:05:20	धनु			लग्न			कर्क	18:01:01	1	आश्लेषा
आर्द्रा	3	15:04:45	मिथु			सूर्य			मिथु	15:04:45	3	आर्द्रा
मृगशिरा	2	28:26:33	वृष			चंद्र			धनु	27:19:04	1	उत्तराषाढ़ा
मृगशिरा	1	24:14:19	वृष			मंगल			वृष	07:24:29	4	कृतिका
मृगशिरा	3	03:04:49	मिथु	व	अ	बुध	व		कर्क	01:57:18	4	पुनर्वसु
उ०फाल्गुनी	4	08:30:02	कन्या			गुरु			कर्क	05:57:21	1	पुष्य
पुष्य	2	07:18:06	कर्क			शुक्र			कर्क	26:05:22	3	आश्लेषा
उ०फाल्गुनी	4	09:56:36	कन्या			शनि			मीन	19:57:43	1	रेवती
पुष्य	2	08:11:36	कर्क	व		राहु	व		कुंभ	06:37:41	4	धनिष्ठा
उत्तराषाढ़ा	4	08:11:36	मक	व		केतु	व		सिंह	06:37:41	2	मघा
विशाखा	4	02:57:08	वृश्चि	व		मु			कन्या	16:05:20	2	हस्त

वर्ष - विवरण

व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:46

लग्न-चलित

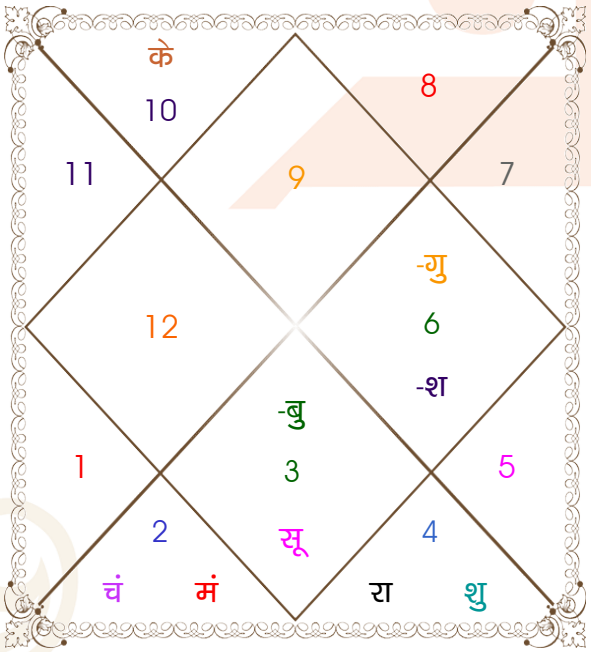

वर्ष लग्न कुंडली

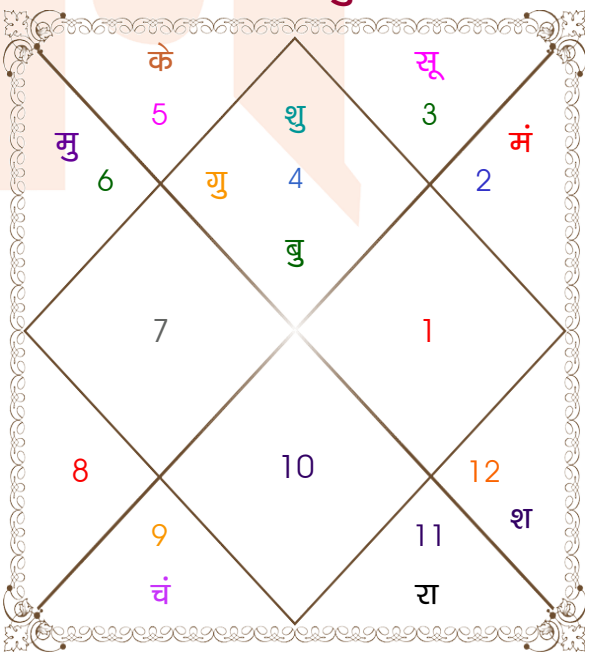

चन्द्र कुंडली

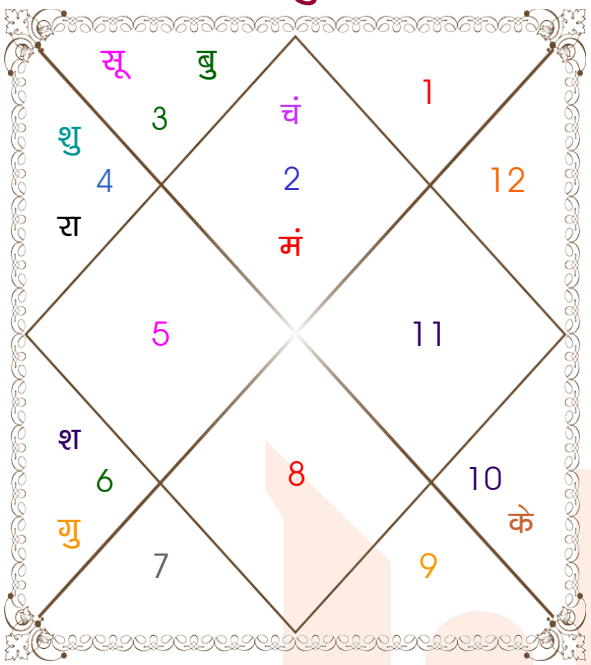

वर्ष चन्द्र कुंडली

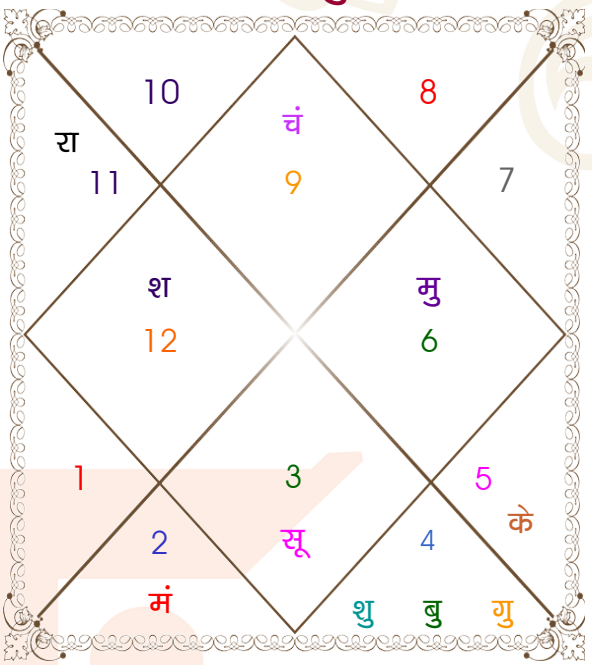

नवमांश कुंडली

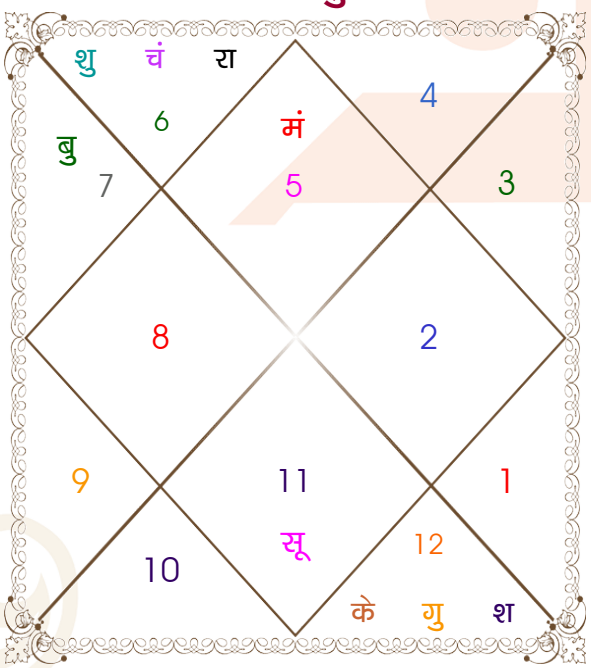

वर्ष नवमांश कुंडली

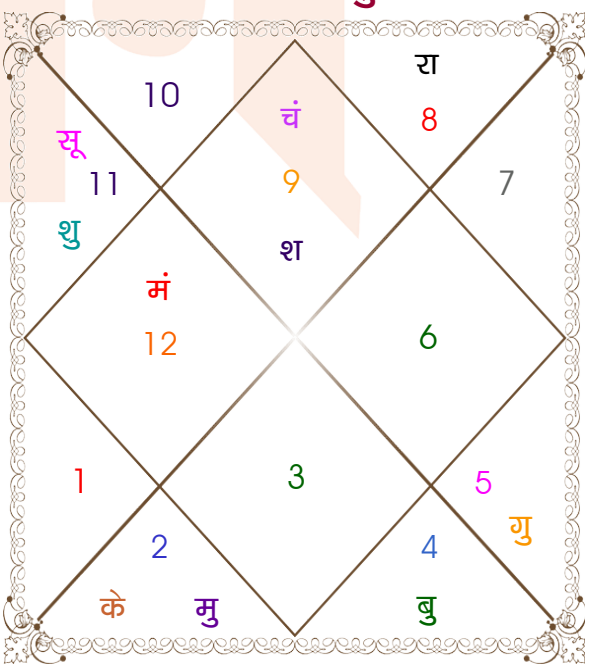

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	शत्रु	सम	सम	सम	सम	शत्रु
चन्द्र	शत्रु	---	सम	सम	सम	सम	शत्रु
मंगल	सम	सम	---	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र
बुध	सम	सम	मित्र	---	शत्रु	शत्रु	मित्र
गुरु	सम	सम	मित्र	शत्रु	---	शत्रु	मित्र
शुक्र	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	---	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	कर्क	मिथु	धनु	वृष	कर्क	कर्क	कर्क	मीन
होरा	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह
द्रेष्काण	कन्या	मेष	कुंभ	कन्या	वृष	वृष	कर्क	मीन
चतुर्थांश	मक	धनु	कन्या	वृष	कर्क	कर्क	मेष	कन्या
पंचमांश	मक	धनु	तुला	कन्या	वृष	वृष	वृश्चि	मक
षष्ठांश	मक	कर्क	कन्या	वृश्चि	तुला	वृश्चि	मीन	मक
सप्तमांश	वृष	कन्या	मिथु	धनु	मक	कुंभ	कर्क	मक
अष्टमांश	सिंह	कन्या	धनु	कन्या	मेष	वृष	तुला	तुला
नवमांश	धनु	कुंभ	धनु	मीन	कर्क	सिंह	कुंभ	धनु
दशमांश	कन्या	वृश्चि	कन्या	मीन	मीन	मेष	वृश्चि	वृष
एकादशांश	धनु	तुला	कन्या	मिथु	मिथु	सिंह	मीन	कन्या
द्वादशांश	कुंभ	धनु	तुला	कर्क	कर्क	कन्या	वृष	तुला

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	सम	सम	मित्र	सम	सम	सम	मित्र
होरा	शत्रु	स्व	सम	सम	सम	सम	शत्रु
द्रेष्काण	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र
चतुर्थांश	सम	सम	मित्र	सम	सम	मित्र	मित्र
पंचमांश	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	स्व
षष्ठांश	शत्रु	सम	स्व	शत्रु	मित्र	शत्रु	स्व
सप्तमांश	सम	सम	मित्र	मित्र	मित्र	सम	स्व
अष्टमांश	सम	सम	मित्र	मित्र	शत्रु	स्व	मित्र
नवमांश	शत्रु	सम	मित्र	सम	सम	मित्र	मित्र
दशमांश	सम	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र
एकादशांश	सम	सम	मित्र	स्व	सम	शत्रु	मित्र
द्वादशांश	सम	सम	सम	सम	शत्रु	स्व	मित्र
शुभ	0	1	10	3	3	6	11
सम	9	10	2	5	5	4	0
अशुभ	3	1	0	4	4	2	1
कुल	अशुभ	सम	शुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	5	0	0	0
द्वितीय बल	0	0	0	0	5	0	0
तृतीय बल	5	0	5	5	0	5	5
चतुर्थ बल	5	0	5	0	5	0	0
कुल	10	0	10	10	10	5	5
बल	सामान्य	अतिक्षीण	सामान्य	सामान्य	सामान्य	क्षीण	क्षीण

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	15.00	15.00	22.50	15.00	15.00	15.00	22.50
उच्च बल	12.77	6.04	8.95	11.88	19.89	6.77	3.34
हददा बल	7.50	3.75	11.25	11.25	11.25	11.25	11.25
द्रेष्काण	5.00	2.50	7.50	2.50	2.50	5.00	7.50
नवमांश	1.25	2.50	3.75	2.50	2.50	3.75	3.75
कुल	41.52	29.79	53.95	43.13	51.14	41.77	48.34
विंशोपक	10.38	7.45	13.49	10.78	12.79	10.44	12.08
बल	शुभ	सामान्य	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	गुरु	12.79	दृष्टि नहीं	
वर्ष लग्नाधिपति	चंद्र	7.45	दृष्टि नहीं	
मुन्था लग्नाधिपति	बुध	10.78	दृष्टि नहीं	बुध
दिवापति	बुध	10.78	दृष्टि नहीं	
त्रिराशिपति	शुक्र	10.44	दृष्टि नहीं	

पात्यंश दशा

बुध		गुरु		मंगल		सूर्य		लग्न	
01/07/2026		27/07/2026		18/09/2026		08/10/2026		18/01/2027	
27/07/2026		18/09/2026		08/10/2026		18/01/2027		27/02/2027	
बुध	03/07/2026	गुरु	04/08/2026	मंगल	20/09/2026	सूर्य	06/11/2026	लग्न	23/01/2027
गुरु	07/07/2026	मंगल	07/08/2026	सूर्य	25/09/2026	लग्न	17/11/2026	शनि	25/01/2027
मंगल	08/07/2026	सूर्य	22/08/2026	लग्न	27/09/2026	शनि	24/11/2026	शुक्र	03/02/2027
सूर्य	15/07/2026	लग्न	27/08/2026	शनि	28/09/2026	शुक्र	17/12/2026	चंद्र	05/02/2027
लग्न	18/07/2026	शनि	31/08/2026	शुक्र	03/10/2026	चंद्र	22/12/2026	बुध	08/02/2027
शनि	20/07/2026	शुक्र	12/09/2026	चंद्र	04/10/2026	बुध	29/12/2026	गुरु	14/02/2027
शुक्र	26/07/2026	चंद्र	15/09/2026	बुध	05/10/2026	गुरु	13/01/2027	मंगल	16/02/2027
चंद्र	27/07/2026	बुध	18/09/2026	गुरु	08/10/2026	मंगल	18/01/2027	सूर्य	27/02/2027

शनि		शुक्र		चंद्र		चंद्र		चंद्र	
27/02/2027		25/03/2027		15/06/2027		15/06/2027		15/06/2027	
25/03/2027		15/06/2027		01/07/2027		01/07/2027		01/07/2027	
शनि	01/03/2027	शुक्र	12/04/2027	चंद्र	15/06/2027	चंद्र	15/06/2027	चंद्र	15/06/2027
शुक्र	06/03/2027	चंद्र	16/04/2027	बुध	17/06/2027	बुध	17/06/2027	बुध	17/06/2027
चंद्र	08/03/2027	बुध	22/04/2027	गुरु	19/06/2027	गुरु	19/06/2027	गुरु	19/06/2027
बुध	09/03/2027	गुरु	04/05/2027	मंगल	20/06/2027	मंगल	20/06/2027	मंगल	20/06/2027
गुरु	13/03/2027	मंगल	08/05/2027	सूर्य	24/06/2027	सूर्य	24/06/2027	सूर्य	24/06/2027
मंगल	15/03/2027	सूर्य	31/05/2027	लग्न	26/06/2027	लग्न	26/06/2027	लग्न	26/06/2027
सूर्य	22/03/2027	लग्न	09/06/2027	शनि	27/06/2027	शनि	27/06/2027	शनि	27/06/2027
लग्न	25/03/2027	शनि	15/06/2027	शुक्र	01/07/2027	शुक्र	01/07/2027	शुक्र	01/07/2027

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

मंगल		राहु		गुरु		शनि		बुध	
01/07/2026		22/07/2026		15/09/2026		03/11/2026		30/12/2026	
22/07/2026		15/09/2026		03/11/2026		30/12/2026		20/02/2027	
मंगल	02/07/2026	राहु	30/07/2026	गुरु	21/09/2026	शनि	12/11/2026	बुध	07/01/2027
राहु	05/07/2026	गुरु	07/08/2026	शनि	29/09/2026	बुध	20/11/2026	केतु	10/01/2027
गुरु	08/07/2026	शनि	15/08/2026	बुध	06/10/2026	केतु	23/11/2026	शुक्र	18/01/2027
शनि	11/07/2026	बुध	23/08/2026	केतु	09/10/2026	शुक्र	03/12/2026	सूर्य	21/01/2027
बुध	15/07/2026	केतु	26/08/2026	शुक्र	17/10/2026	सूर्य	06/12/2026	चंद्र	25/01/2027
केतु	16/07/2026	शुक्र	04/09/2026	सूर्य	19/10/2026	चंद्र	11/12/2026	मंगल	28/01/2027
शुक्र	19/07/2026	सूर्य	07/09/2026	चंद्र	23/10/2026	मंगल	14/12/2026	राहु	05/02/2027
सूर्य	20/07/2026	चंद्र	12/09/2026	मंगल	26/10/2026	राहु	23/12/2026	गुरु	12/02/2027
चंद्र	22/07/2026	मंगल	15/09/2026	राहु	03/11/2026	गुरु	30/12/2026	शनि	20/02/2027

केतु		शुक्र		सूर्य		चंद्र		चंद्र	
20/02/2027		14/03/2027		13/05/2027		01/06/2027		01/06/2027	
14/03/2027		13/05/2027		01/06/2027		01/07/2027		01/07/2027	
केतु	21/02/2027	शुक्र	24/03/2027	सूर्य	14/05/2027	चंद्र	03/06/2027	चंद्र	03/06/2027
शुक्र	25/02/2027	सूर्य	27/03/2027	चंद्र	16/05/2027	मंगल	05/06/2027	मंगल	05/06/2027
सूर्य	26/02/2027	चंद्र	01/04/2027	मंगल	17/05/2027	राहु	10/06/2027	राहु	10/06/2027
चंद्र	28/02/2027	मंगल	04/04/2027	राहु	20/05/2027	गुरु	14/06/2027	गुरु	14/06/2027
मंगल	01/03/2027	राहु	13/04/2027	गुरु	22/05/2027	शनि	18/06/2027	शनि	18/06/2027
राहु	04/03/2027	गुरु	22/04/2027	शनि	25/05/2027	बुध	23/06/2027	बुध	23/06/2027
गुरु	07/03/2027	शनि	01/05/2027	बुध	28/05/2027	केतु	24/06/2027	केतु	24/06/2027
शनि	10/03/2027	बुध	10/05/2027	केतु	29/05/2027	शुक्र	30/06/2027	शुक्र	30/06/2027
बुध	14/03/2027	केतु	13/05/2027	शुक्र	01/06/2027	सूर्य	01/07/2027	सूर्य	01/07/2027

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शनि - केतु - गुरु	
21/02/2026 15:31	
16/04/2026 14:56	
गुरु	28/02/2026 20:14
शनि	09/03/2026 09:21
बुध	17/03/2026 00:52
केतु	20/03/2026 04:26
शुक्र	29/03/2026 04:20
सूर्य	31/03/2026 21:06
चंद्र	05/04/2026 09:03
मंगल	08/04/2026 12:37
राहु	16/04/2026 14:56

शनि - केतु - शनि	
16/04/2026 14:56	
19/06/2026 17:15	
शनि	26/04/2026 18:30
बुध	05/05/2026 20:25
केतु	09/05/2026 14:10
शुक्र	20/05/2026 06:33
सूर्य	23/05/2026 11:28
चंद्र	28/05/2026 19:39
मंगल	01/06/2026 13:23
राहु	11/06/2026 04:08
गुरु	19/06/2026 17:15

शनि - केतु - बुध	
19/06/2026 17:15	
16/08/2026 01:38	
बुध	27/06/2026 20:14
केतु	01/07/2026 04:31
शुक्र	10/07/2026 17:55
सूर्य	13/07/2026 14:44
चंद्र	18/07/2026 09:26
मंगल	21/07/2026 17:43
राहु	30/07/2026 08:11
गुरु	06/08/2026 23:42
शनि	16/08/2026 01:38

शनि - शुक्र - शुक्र	
16/08/2026 01:38	
24/02/2027 20:08	
शुक्र	17/09/2026 04:43
सूर्य	26/09/2026 20:02
चंद्र	12/10/2026 21:35
मंगल	24/10/2026 03:27
राहु	22/11/2026 01:26
गुरु	17/12/2026 18:18
शनि	17/01/2027 06:50
बुध	13/02/2027 14:15
केतु	24/02/2027 20:08

शनि - शुक्र - सूर्य	
24/02/2027 20:08	
23/04/2027 16:05	
सूर्य	27/02/2027 17:31
चंद्र	04/03/2027 13:11
मंगल	07/03/2027 22:09
राहु	16/03/2027 14:21
गुरु	24/03/2027 07:24
शनि	02/04/2027 11:10
बुध	10/04/2027 15:47
केतु	14/04/2027 00:45
शुक्र	23/04/2027 16:05

शनि - शुक्र - चंद्र	
23/04/2027 16:05	
29/07/2027 01:20	
चंद्र	01/05/2027 16:51
मंगल	07/05/2027 07:47
राहु	21/05/2027 18:46
गुरु	03/06/2027 15:12
शनि	18/06/2027 21:28
बुध	02/07/2027 13:11
केतु	08/07/2027 04:07
शुक्र	24/07/2027 05:40
सूर्य	29/07/2027 01:20

शनि - शुक्र - मंगल	
29/07/2027 01:20	
04/10/2027 12:36	
मंगल	01/08/2027 23:47
राहु	12/08/2027 02:41
गुरु	21/08/2027 02:35
शनि	31/08/2027 18:58
बुध	10/09/2027 08:22
केतु	14/09/2027 06:49
शुक्र	25/09/2027 12:42
सूर्य	28/09/2027 21:40
चंद्र	04/10/2027 12:36

शनि - शुक्र - राहु	
04/10/2027 12:36	
26/03/2028 00:27	
राहु	30/10/2027 13:11
गुरु	22/11/2027 16:22
शनि	20/12/2027 03:38
बुध	13/01/2028 17:31
केतु	23/01/2028 20:24
शुक्र	21/02/2028 18:23
सूर्य	01/03/2028 10:34
चंद्र	15/03/2028 21:34
मंगल	26/03/2028 00:27

शनि - शुक्र - गुरु	
26/03/2028 00:27	
27/08/2028 05:39	
गुरु	15/04/2028 13:57
शनि	09/05/2028 23:58
बुध	31/05/2028 20:18
केतु	09/06/2028 20:12
शुक्र	05/07/2028 13:04
सूर्य	13/07/2028 06:08
चंद्र	26/07/2028 02:34
मंगल	04/08/2028 02:28
राहु	27/08/2028 05:39

शनि - शुक्र - शनि	
27/08/2028 05:39	
26/02/2029 08:50	
शनि	25/09/2028 05:33
बुध	21/10/2028 04:12
केतु	31/10/2028 20:35
शुक्र	01/12/2028 09:07
सूर्य	10/12/2028 12:53
चंद्र	25/12/2028 19:08
मंगल	05/01/2029 11:32
राहु	01/02/2029 22:48
गुरु	26/02/2029 08:50

शनि - शुक्र - बुध	
26/02/2029 08:50	
09/08/2029 05:21	
बुध	21/03/2029 13:56
केतु	31/03/2029 03:20
शुक्र	27/04/2029 10:45
सूर्य	05/05/2029 15:23
चंद्र	19/05/2029 07:05
मंगल	28/05/2029 20:29
राहु	22/06/2029 10:22
गुरु	14/07/2029 06:42
शनि	09/08/2029 05:21

शनि - शुक्र - केतु	
09/08/2029 05:21	
15/10/2029 16:38	
केतु	13/08/2029 03:49
शुक्र	24/08/2029 09:41
सूर्य	27/08/2029 18:39
चंद्र	02/09/2029 09:35
मंगल	06/09/2029 08:03
राहु	16/09/2029 10:56
गुरु	25/09/2029 10:51
शनि	06/10/2029 03:14
बुध	15/10/2029 16:38

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न रहेंगे तथा शान्ति एवं सन्तुष्टि का भाव मन में विद्यमान रहेगा। इस समय लेखन कार्य तथा शास्त्रों के अध्ययन में आपकी रूचि रहेगी तथा कई कलाओं के विषय में जानने को आप इच्छुक रहेंगे। इस समय आपका व्यवहार अन्य लोगों से अच्छा रहेगा तथा सबको प्रभावित करने में आप समर्थ रहेंगे। साथ ही प्रत्युत्तर देकर प्रतिवादी को भी आप शान्त एवं प्रभावित करने में आप सफल होंगे। शत्रुपक्ष इस समय आपसे भयभीत तथा चिन्तित रहेगा एवं उन पर विजय प्राप्त करने में आप को सफलता प्राप्त होगी। गणित या ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में इस समय आप कोई विशिष्ट उपलब्धि अर्जित कर सकते है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा तथा इसमें आपको इच्छित सफलता प्राप्त होगी। साथ ही प्रचुर मात्रा में लाभार्जन भी होगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा समाज में मान प्रतिष्ठा तथा यश की अभिवृद्धि होगी एवं सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। इस समय राजनैतिक लोगों या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे आप वांछित सहयोग एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। आर्थिक स्थिति भी आपकी इस समय सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा तथा समस्त सुख संसाधनों को उपभोग करते हुए प्रसन्नता पूर्वक यह वर्ष व्यतीत करेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आप अपने सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करेंगे। इस समय आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा समाज में अपना प्रभाव स्थापित करने में आप समर्थ रहेंगे। साथ ही आपकी मान प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर प्रदान करेंगे। धार्मिक कार्यो के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा रहेगी तथा किसी शुभ एवं पुण्य कार्य को करने में आप रूचिशील रहेंगे।देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आप श्रद्धालु रहेंगे तथा श्रद्धा पूर्वक इनका पूजन करेंगे। साथ ही अन्य लोगों के परोपकार संबधी कार्य को करने में भी उद्यत रहेंगे तथा परोपकार सबंधी कार्यो में अपना सहयोग प्रदान करेंगे। इस समय आप स्वपराक्रम से विभिन्न प्रकार के सुख संसाधनों को भी अर्जित करेंगे।

इस वर्ष में भाइयों , मित्रों तथा संबधियों से आपको पूर्ण सुख सहयोग एवं लाभ प्राप्त होगा तथा इनके मध्य आपके मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी । इस समय राजनैतिक नेताओं या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको सहयोग मिलेगा तथा आपके लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। इसके साथ ही आपके मानसिक संकल्प भी इस समय पूर्ण होंगे तथा विगत रूके हुए कार्यो में भी आपको कार्य सिद्धि मिलेगी। साथ ही इस वर्ष में आप कोई तीर्थ यात्रा करने के भी इच्छुक रहेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं शान्तिपूर्ण रहेगा।

मासिक फलादेश

प्रथम मास
01/07/2026 08:09:32 से 01/08/2026 18:34:23 तक

इस मास में आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों को अर्जित करने में सफल होंगे।साथ ही समाज में आपका यश भी व्याप्त होगा।धर्म के प्रति आपके मन में आस्था होगी तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति श्रद्धा रखेंगे तथा श्रद्धापूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इस समय परोपकार की भावना भी आपके मन में उत्पन्न होगी तथा उच्चाधिकारी वर्ग के आश्रय से आप पूर्ण यशार्जन करेंगे एवं आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। साथ ही भाइयों से भी आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आप अपने मानसिक विचारों या संकल्पों को पूर्ण करने में भी सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य महिला सहयोगियों से भी आपको वांछित सहयोग प्राप्त होगा। आपकी बुद्धि भी निर्मल होगी एवं सम्पूर्ण मास आप उचित धन लाभ एवं सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा समाज में आप पूर्ण यश अर्जित करेंगे।

द्वितीय मास
01/08/2026 18:34:23 से 01/09/2026 23:18:30 तक

इस मास में आप अशुभ फलों की अपेक्षा शुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्णरूपेण संतुष्ट एवं प्रसन्न रहेंगे। साथ ही घर में कोई धार्मिक उत्सव भी सम्पन्न हो सकता है। संतति प क्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे एवं उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही धार्मिक क्षेत्र में आपकी श्रद्धा में भी अभिवृद्धि होगी तथा देवता एवं ब्राहमणों का आप यथोचित सम्मान तथा पूजन करेंगे। समाज में इस समय आपके यश की वृद्धि होगी एवं भाग्योदय सम्बंधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। साथ ही आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव रहेगा एवं यात्रा से आप पूर्ण लाभार्जन करने में समर्थ रहेंगे। सरकारी या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप सम्मान अर्जित करेंगे। इस समय मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके सम्बन्धों में मधुरता रहेगी तथा सर्वत्र माननीय एवं प्रतिष्ठित व्यक्ति समझे जाएंगे।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के मध्य अशुभ फल भी होंगे। जिसके कारण आप वात रोग से पीड़ित हो सकते हैं या किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न कर सकते हैं जिससे आपकी प्रतिष्ठा प्रभावित होगी एवं बाद में आप पश्चाताप करेंगे। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप न्यूनाधिक धन हानि प्राप्त कर सकते हैं। अतः सावधानीपूर्वक कार्यो को सम्पन्न करें।

तृतीय मास
01/09/2026 23:18:30 से 02/10/2026 17:27:53 तक

यह मास आपके लिए विशेष शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला होगा। इस मास में आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य आप अपनी बुद्धिबल से ही सम्पन्न करेंगे। इस समय आप कई प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करेंगे एवं पुत्र सुख भी आपको प्राप्त होगा। आपके प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी एवं सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को मन से स्वीकार करेंगे। इस मास आपके शुभ कार्य भी सम्पन्न होंगे तथा किसी शुभ समाचार को भी प्राप्त करेंगे। देवता तथा ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा इनका आप यथोचित सम्मान एवं पूजन करेंगे। इसके साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप यथोचित लाभ अर्जित करने में भी सफल सिद्ध होंगे एवं समाज से पूर्ण मान प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे।अतः मानसिक रूप से पूर्ण प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख अर्जित करेंगे एवं अपनी बुद्धिमता से आवश्यक शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करने में भी सफल रहेंगे। धर्मानुपालन में भी आपकी रूचि उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक कार्य कम का आयोजन करने में भी आप प्रवृत होंगे।

चतुर्थ मास
02/10/2026 17:27:53 से 01/11/2026 23:09:59 तक

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा अशुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त होंगे। इस समय आप स्त्री एवं बन्धुवर्ग से कष्ट की प्राप्ति करेंगे तथा शत्रुपक्ष से भी आपको भय तथा चिन्ता बनी रहेगी जिससे आप मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे ।साथ ही आप में उत्साह के भाव की भी अल्पता रहेगी तथा धन व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे आर्थिक संकट भी बना रहेगा। शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थ रहेंगे एवं मन में लोभ के भाव की प्रबलता रहेगी। अपने मित्र एवं बन्धुजनों से भी आपका परस्पर मनमुटाव रहेगा तथा ऐसे समय पर मित्र भी शत्रु की तरह व्यवहार करेंगे जिससे आप आन्तरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य समाजिक या बन्धुजनों से भी वादविवाद आदि की भी सम्भावना बनी रहेगी। अतः आपका यह समय कष्टपूर्वक ही व्यतीत होगा।

साथ ही इस समय आप वायु से उत्पन्न होने वाले रोगों से अस्वस्थ रहेंगे तथा जाने या अनजाने में किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न कर सकते हैं जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़े। इससे आपकी समाजिक अवमानना भी होगी। इसके अतिरिक्त इस समय आप अग्नि के द्वारा न्यूनाधिक मात्रा में धन हानि भी प्राप्त करेंगे। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

पंचम् मास
01/11/2026 23:09:59 से 01/12/2026 17:52:50 तक

इस मास में आप उत्तम फल प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आप अपने पराक्रम से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज से भी आपको यथोचित मान सम्मान एवं यश प्राप्त होगा। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा विधि पूर्वक आप इनका पूजन तथा सत्कार करेंगे। दूसरे लोगों की भलाई के लिए भी आप इस मास तत्पर रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा तथा मान प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त भाइयों से आपको इस समय पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा आपके मानसिक विचार एवं संकल्प भी पूर्ण होंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से सुख प्राप्त करेंगे एवं अपनी बुद्धिमता से कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में सफलता भी अर्जित करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा भाव उत्पन्न होता रहेगा। इस प्रकार यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक रहेगा।

षष्ठ मास
01/12/2026 17:52:50 से 31/12/2026 05:51:04 तक

इस मास में आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी। अतः आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य स्वबुद्धि बल से ही सम्पन्न होंगे। इस समय आप कई प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करेंगे तथा पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इस मास में आप ज्ञानार्जन करने में भी सफल रहेंगे। साथ ही प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को हृदय से स्वीकार करेंगे। इस मास में आपके अधिकाशं शुभ कार्य सम्पन्न होंगे तथा कहीं से कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा जिससे आपको मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप यथोचित लाभार्जन करने में सफल रहेंगे एवं समाज से भी आप पूर्ण मान प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। अतः मन से भी सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही शुभ फलों के साथ साथ इस मास में आप अशुभ फल भी प्राप्त करेंगे। इससे आप वायु द्वारा उत्पन्न रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा जाने अनजाने किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी तथा इसके लिए आप पश्चाताप करेंगे। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप धन हानि को प्राप्त कर सकते है। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा।

सप्तम् मास
31/12/2026 05:51:04 से 29/01/2027 16:57:04 तक

इस मास को आप अत्यन्त ही सुख एवं आनन्दपूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय स्त्रीवर्ग से आपको वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा।साथ ही सौभाग्य से भी युक्त रहेंगे ।अतः आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे। सरकार या

उच्चाधिकारी वर्ग से आप सहयोग तथा लाभार्जन करने में समर्थ रहेंगे तथा आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी उतम रहेगा। इस समय अध्ययन या ज्ञानार्जन में आपकी रूचि उत्पन्न होगी तथा इस में आप सफल भी होंगे।मित्रों तथा संबंधियों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे भी यथोचित सुख सम्मान एवं सहयोग प्राप्त होता रहेगा।साथ ही मनोच्छित द्रव्य पदार्थों की भी आपको इस मास में लाभ होने की सम्भावना रहेगी।संततिपक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सुख प्राप्त होगा। समाज में आपकी प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा असफल आशाओं में भी सफलता अर्जित करने में आप सफल रहेंगे।फलतः आप मानसिक रूप से भी प्रसन्न एवं शान्त रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्र या द्रव्यों की भी आपको इस समय उपलब्धि हो सकती है।अतः यह मास आपके लिये अत्यन्त ही शुभ एवं सौभाग्य प्रदान करने वाला रहेगा।

अष्टम् मास
29/01/2027 16:57:04 से 28/02/2027 09:16:08 तक

इस मास में आप सामान्यतया अशुभ फल ही प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। इस समय आपके शत्रु प्रबल रहेंगे तथा उनसे आप भयभीत तथा चिंतित रहेंगे। जिससे मानसिक रूप से आप उद्विग्नता तथा अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस समय आपके व्यापार या आजीविका संबधी कार्य में मन्दी आएगी तथा कई अनावश्यक विध्नबाधाएं भी उत्पन्न होंगी। साथ ही आपका कोई कार्य बंद हो सकता है या उसमें किसी प्रकार का परिर्वतन होने की संभावना बनेगी। समाज में अन्य लोगों से इस मास में आपका अनावश्यक विवाद या संघर्ष होगा जिससे सामाजिक सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि का भी योग बनता है तथा शारीरिक कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप वातजनित रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्धारा भी किसी प्रकार की क्षति या हानि हो सकती है। अतः सावधानी एवं सतर्कतापूर्वक अपने सांसारिक कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

नवम् मास
28/02/2027 09:16:08 से 30/03/2027 11:39:40 तक

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय आप स्त्री तथा बन्धुवर्ग से कष्ट प्राप्त करेंगे अथवा इनको किसी प्रकार की कष्टानुभूति हो सकती है। साथ ही आपका शत्रुपक्ष भी इस मास में बलवान रहेगा जिससे आप इनकी ओर से भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे तथा इनके द्वारा आपके लिए समस्याएं भी उत्पन्न होंगी। इस समय आप में उत्साह के भाव की न्यूनता रहेगी तथा धन का व्यय भी अधिक होगा जिससे आप आर्थिक रूप से भी परेशान रहेंगे।साथ ही लोभ के भाव की आप में अधिकता दृष्टिगोचर होगी।बन्धु एवं मित्रों से आपके

विशेष अच्छे संबध नहीं रहेंगे एवं परस्पर मनमुटाव रहेगा तथा इस समय मित्र भी शत्रुओं की तरह व्यवहार करेंगे। इसके अतिरिक्त पारिवारिक तथा सामाजिक जनों से भी परस्पर विवाद होता रहेगा। अतः संयम पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करना चाहिए।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ यदाकदा शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप स्त्री से सुख एवं लाभ अर्जित करने में सफल होंगे। साथ ही अधिकाशं कार्यो को अपनी बुद्धि बल से सम्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त इस मास में आप सामान्य धनार्जन तथा सुख प्राप्त करने में भी समर्थ रहेंगे।

दशम् मास
30/03/2027 11:39:40 से 30/04/2027 02:28:26 तक

यह मास आपके लिए अत्यन्त शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से सम्पन्न होंगे। इस मास में आप कई प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करेंगे एवं पुत्र संतति से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि रहेगी तथा ज्ञान प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। आपके प्रभुत्व में इस मास में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे तथा आपका हार्दिक सम्मान भी करेंगे। इस समय आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे एवं कहीं से कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा जिससे आपको प्रसन्नता होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा नियमपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके अतिरिक्त सरकार एवं उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप वांछित लाभ अर्जित करेंगे तथा समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे तथा अपने बुद्धिचातुर्य से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में सफल रहेंगे। इस प्रकार यह समय आपके लिए अत्यन्त ही महत्वपूर्ण तथा सुख प्रदान करने वाला होगा जिससे आप मानसिक रूप से पूर्ण शान्त तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

एकादश मास
30/04/2027 02:28:26 से 31/05/2027 04:45:01 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्यशाली सिद्ध होगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जित करने में सफल रहेंगे तथा आर्थिक रूप से पूर्ण सम्पन्न रहेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथासमय सिद्ध करने में सफल रहेंगे। इस मास में आप अपने घर में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकते है। इस समय संतति पक्ष से आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे।साथ ही सामाजिक जनों के मध्य आपके यश तथा प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। इस समय आपके भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न

होंगे। साथ ही आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा लाभदायक यात्रा का भी योग बनेगा। अपने बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं एक दूसरे से वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे। इस प्रकार समाज में सर्वत्र सम्माननीय तथा आदरणीय समझे जाएंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा अपने बुद्धिचातुर्य से धन एवं सुख साधनों को प्राप्त करने में भी समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में श्रद्धा का प्रदर्शन करते हुए आप एक प्रतिष्ठित व्यक्ति के रूप में सम्मान अर्जित कर सकेंगे।

द्वादश मास
31/05/2027 04:45:01 से 01/07/2027 14:17:17 तक

यह मास आपके लिए अशुभ फल प्रदान करने वाला होगा तथापि अल्प मात्रा में शुभ फल भी प्राप्त होते रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा फलतः शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। साथ ही शत्रु भी आपसे बलवान रहेंगे एवं आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। इस मास में आपके घर में कोई चोरी भी हो सकती है अतः सावधान रहना चाहिए। साथ ही नौकरी या व्यवसाय में उच्चाधिकारी वर्ग की उपेक्षा न करें तथा विनम्रता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करें अन्यथा आपको दण्डित किया जा सकता है। इस समय आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा धन का व्यय भी अधिक होगा फलतः आर्थिक दृष्टि से भी आप कष्ट प्राप्त कर सकते है। इसके साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा तथा समाज में भी आपके आदर में न्यूनता आएगी। बन्धु एवं मित्रों से आपका इस समय मन मुटाव रहेगा तथा मानसिक इच्छाएं अपूर्ण ही रहेंगी। अतः तनाव से बचने के लिए संयम पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

परन्तु इस मास में आप शुभ फल भी अर्जित करेंगे। इससे आप श्रेष्ठजनों तथा उच्चाधिकारियों का सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आप नवीन वस्त्र या द्रव्य भी अर्जित कर सकेंगे तथा मानसिक रूप से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।